अर्थशास्त्र

मैक्रो इकॉनॉमिक्स
(समष्टि अर्थशास्त्र)

समष्टि अर्थशास्त्र में समस्त आर्थिक क्रियाओं का संपूर्ण रूप से अध्ययन किया जाता है।
(राष्ट्रीय आय, उत्पादन, बेरोजगारी)

माइक्रो Economics
(सूक्ष्म अर्थशास्त्र)

सूक्ष्म / व्यष्टि अर्थशास्त्र में व्यक्तिगत आय, व्यक्तिगत इकाइयों और व्यक्तिगत उत्पाद का अध्ययन किया जाता है।

अर्थव्यवस्था के 3 प्रकार :

1. पूंजीवादी अर्थव्यवस्था
2. समाजवादी अर्थव्यवस्था
3. मिश्रित अर्थव्यवस्था

	पूंजीवादी	समाजवादी	मिश्रित
1. स्वामित्व	व्यक्तिगत (US)	सार्वजनिक (रूस) (सरकार)	दोनो (भारत)
2. आर्थिक उद्देश्य/मकसद	लाभ	समाज कल्याण	दोनो
3. सरकार की भूमिका	कोई भूमिका नही	पूरी भूमिका	सीमित भूमिका
4. आय का वितरण	असमान	समान	कम असमान
5. आर्थिक स्वतंत्रता	पूरी स्वतंत्रता	स्वतंत्रता की कमी	

अर्थव्यवस्था के क्षेत्र :

1. प्राथमिक क्षेत्र
2. द्वितीयक क्षेत्र
3. तृतीयक क्षेत्र

प्राथमिक क्षेत्र : सीधे तौर पर पर्यावरण पर भी निर्भर।

कृषि, मत्स्य पालन, पशुपालन, खनन

इसमे संलग्न श्रम की प्रकृति को रेड कॉलर जॉब के जरिये संकेतित किया जाता है।

द्वितीयक क्षेत्र : अर्थव्यवस्था का वह क्षेत्र जो प्राथमिक क्षेत्र के उत्पादो को अपनी गतिविधियो में कच्चे माल की तरह उपयोग करता है।

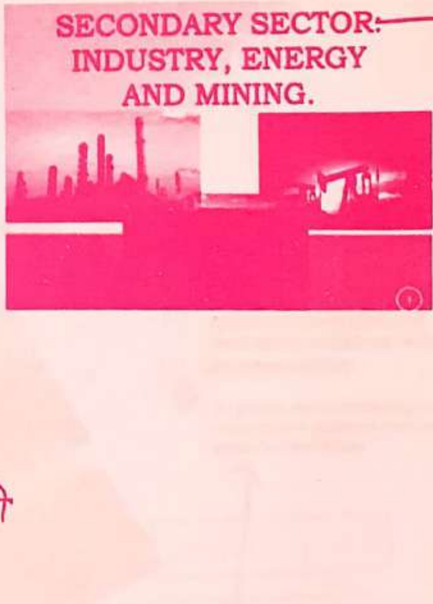

लोहा-इस्पात उद्योग, वस्त्र उद्योग, वाहन इलेक्ट्रानिक्स आदि

→ ब्लू कॉलर जॉब

→ देश की रीढ की हड्डी

तृतीयक क्षेत्र : 'सेवा क्षेत्र'

इस क्षेत्रक मे विभिन्न प्रकार की सेवाओ का अदृश्यन उत्पादन किया जाता है।
जैसे- बीमा, बैंकिंग, चिकित्सा, शिक्षा, पर्यटन आदि।

→ white coller jobs

चतुर्धातुक क्षेत्र (चतुर्थक): यह सरकार, संस्कृति, पुस्तकालयों, वैज्ञानिक अनुसंधान, शिक्षा और सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़ी बौद्धिक गतिविधियों पर आधारित है।

→ Knowledge Sector

क्विनरी क्षेत्र: ऐसी सेवाएँ जो नए और मौजूदा विचारों के निर्माण, पुनर्व्यवस्था और व्याख्या पर ध्यान केंद्रित करती हैं। (राजनैतिक, वरिष्ठ व्यापार कार्यकारी)

→ Gold coller job

→ तृतीयक क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के सकल राष्ट्रीय उत्पाद में सबसे अधिक योगदान करता है।

→ सबसे कम योगदान - प्राथमिक क्षेत्र

→ सबसे ज्यादा कार्यों मे संलग्न लोग - प्राथमिक क्षेत्रो मे

→ सबसे कम " " " - तृतीयक क्षेत्र

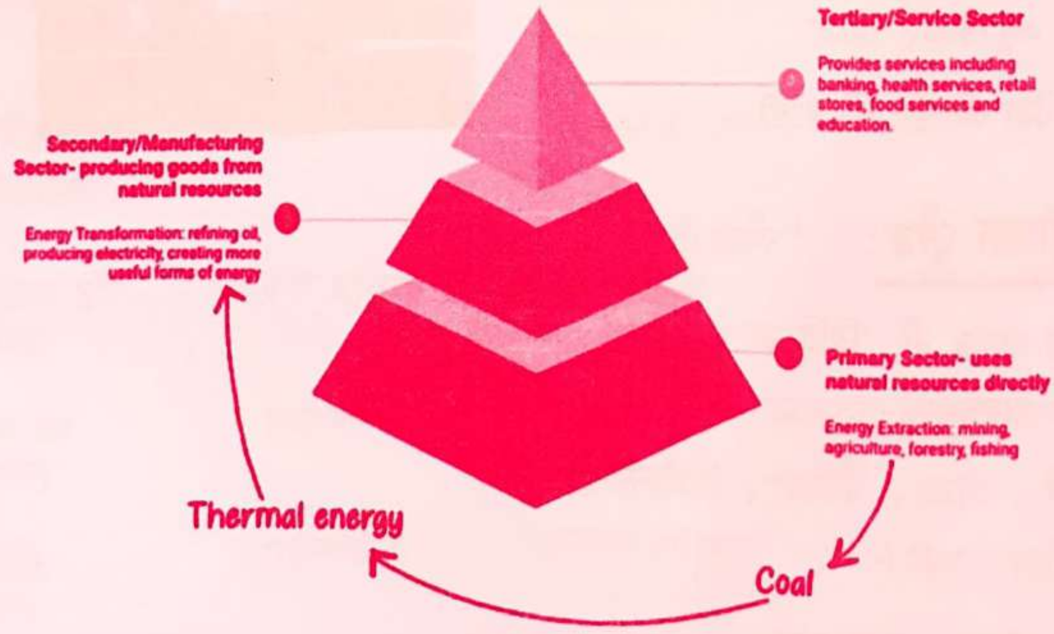

" राष्ट्रीय आय "

राष्ट्रीय आय की गणना:

GDP : सकल घरेलू उत्पाद

" किसी भी देश की सीमाओ के भीतर एक समय अवधि मे (आमतौर पर 1 वर्ष) उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओ और सेवाओं का मौद्रिक मूल्य। "

वित्तीय वर्ष : 1 अप्रैल- 31 मार्च

GNP : सकल राष्ट्रीय उत्पाद

" देश के निवासियो द्वारा देश मे या विदेश मे एक वर्ष मे किये गये अंतिम रूप से उत्पादित कुल वस्तुओं एवं सेवाओं के मौद्रिक मूल्य को सकल राष्ट्रीय उत्पाद कहा जाता है। "

GNP = GDP + विदेश से शुद्ध कारक आय

{GDP − FI to abroad + FI from abroad}

GDP = A + B

GNP = A+C

NDP : शुद्ध घरेलू उत्पाद

- NDP = GDP - मूल्यह्रास
- NNP = GNP - मूल्यह्रास
- GNP = GDP + NFIA

→ GDP → साइमन कुजनेट : 1934

	2012	2023
बिस्कुट	1000X5 = 5000	900X5 = 4500

2012 → आधार वर्ष ↓ 'आधार प्रभाव' Base effect

वास्तविक GDP ↓ नियत मूल्य

नॉमिनल GDP ↓ वर्तमान मूल्य

- मौद्रिक भ्रम की अवधारणा → इरविंग फिशर
- अपस्फीतिकारक : $\frac{\text{नॉमिनल GDP}}{\text{वास्तविक GDP}} \times 100$

GDP की गणना करने के तरीके :

1. **मूल्य / उत्पाद वर्धित विधि :** आउटपुट - इनपुट

Value added / production method

2. **आय विधि :** (Income method)
- कर्मचारियों का मुआवजा
- लाभ (किराया और रॉयल्टी, ब्याज)
- मिश्रित आय

3. **व्यय विधि :** (Expenditure Method)

C + G + I + (X − m)

C	G	I	X	m
Consumption	Gov.r. Exp.	Investment	निर्यात	आयात
उपभोग	सरकारी खर्च	निवेश		

- **प्रति व्यक्ति आय :** $\frac{\text{राष्ट्रीय आय}}{\text{जनसंख्या}}$

- **क्रय शक्ति समता :** किन्ही दो देशों के बीच वस्तु या सेवा की कीमत मे मौजूद अंतर से लिया जाता है।

भारत { GDP - 5^{th} ; PPP - 3^{rd} }

- **व्यक्तिगत / निजी आय :** (Personal Income) किसी व्यक्ति की मजदूरी, निवेश उद्यमों और अन्य उपक्रमों से होने वाली कुल आय (करों के बाद)

निजी आय = NI + आय अर्जित लेकिन प्राप्त नही + आय प्राप्त लेकिन अर्जित नही

PI = NI + Transfer payment − undistributed corporate Profit

- **प्रयोज्य व्यक्तिगत आय :** व्यक्तिगत आय - कर

(Personal Disposable Income)

GDP_{FC} = GDP_{mp} - सकल / Net अप्रत्यक्ष कर

GDP_{FC} = GDP_{mc} - अप्रत्यक्ष कर - सब्सिडी

GDP_{FC} = GDP_{mc} - कर + सब्सिडी

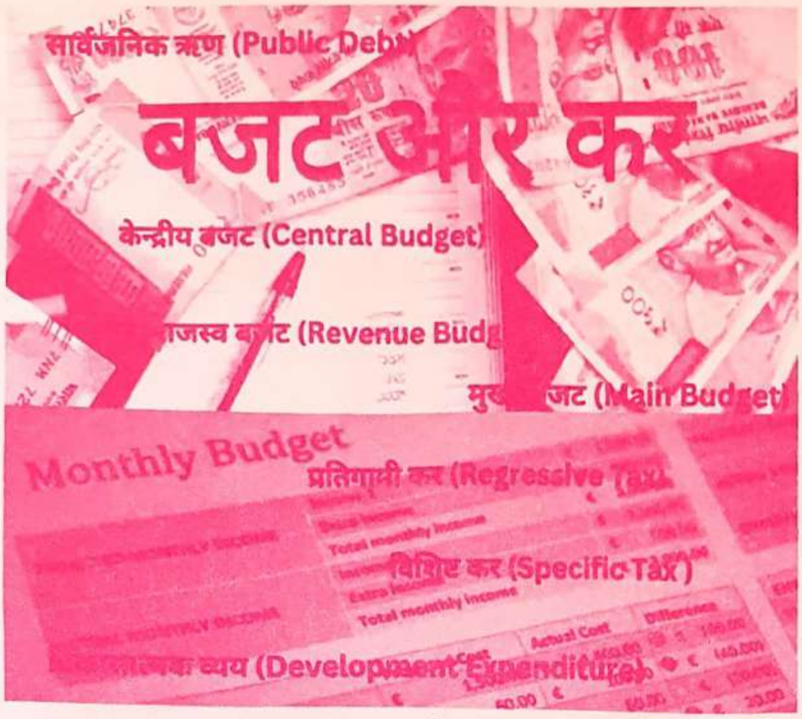

frequent अक्सर

ब्याज, उधार

↓

Revenue/ राजस्व

कभी - कभी

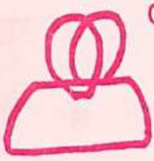

लोन, Asset sale

↓

Capital / पूंजी

Receipt - इनकम | प्राप्तियाँ

Expenditure - खर्चा

बजट (Government Budget)

- राजस्व बजट
  - राजस्व प्राप्तियाँ
    - कर राजस्व
    - गैर कर राजस्व
  - राजस्व व्यय
    - योजना राजस्व व्यय
    - गैर योजना राजस्व व्यय
- पूंजी बजट
  - पूंजी प्राप्तियां
  - पूंजी व्यय
    - योजना पूंजीगत व्यय
    - गैर योजना पूंजीगत व्यय

राजस्व व्यय → अवसर
→ न तो Asset बढ़ रहा है न ही Liability घट रही है।

पूंजीगत व्यय → कभी-कभी
→ Asset ↑
Liability ↓

- वेतन / Salary - राजस्व व्यय
- लोन / Loan - पूंजीगत व्यय
- ब्याज - राजस्व
- अनुदान / grant - राजस्व

राजस्व व्यय	पूंजीगत व्यय
वेतन, पेंशन	निर्माण (किसी भी बुनियादी ढांचे का)
सब्सिडी / अनुदान	जमीन / मशीनरी की खरीद
ब्याज, रखरखाव	निवेश, लोन
	ऋणों का पुनर्भुगतान

लोन / ऋण → मूलधन - पूंजीगत
→ ब्याज - राजस्व

- बजट तैयार करता - आर्थिक मामलों का विभाग
- बजट प्रस्तुत करता - वित्त मंत्री

→ 1921 - एकवर्थ समिति → सामान्य बजट
→ रेलवे बजट

→ 2016 - विवेक देवरॉय समिति - जनरल बजट + रेलवे बजट

- पहला बजट - R. K. षणमुखम चेट्टी
- दूसरा बजट - जॉन मथाई
- सबसे ज्यादा बजट प्रस्तुतकर्ता - मोरारजी देसाई (10 बार)
  पी. चिदंबरम (9 बार)
  प्रणब मुखर्जी (8 बार)

DEFICITS/ घाटे :

प्राप्तियाँ/ इनकम > खर्च = सरप्लस बजट

खर्चा > इनकम = बजट घाटा/ डेफिसिट बजट

1. **बजटीय घाटा** / Budgetary deficit
2. राजस्व घाटा → राजस्व खर्च - राजस्व प्राप्तियाँ
3. राजकोषीय घाटा → कुल खर्च - सरकार की कुल आय
   (राजस्व प्राप्ति + ऋणों की वसूली + अन्य प्राप्तियाँ)

   - TE - [RR + non debt creating CR]
   - TE - [TR - debt creating CR]

4. प्राथमिक घाटा → राजकोषिय घाटा - ब्याज/ Interest payment
5. प्रभावी राजस्व घाटा → राजस्व घाटा - पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए सहायता अनुदान

वित्तीय वर्ष : 31 मार्च - 1 अप्रैल

कराधान / TAXATION

प्रत्यक्ष कर

1. सीधे सरकार को भुगतान
2. इन करो को किसी अन्य इकाई मे स्थानांतरित नही किया जा सकता है।
3. प्रगतिशील कर

उदा०: आय कर, Wealth Tax, उपहार कर, Capital gains कर

अप्रत्यक्ष कर

1. सरकार को सीधे भुगतान नही किया जाता
2. यह किसी अन्य इकाई मे स्थानांतरित किया जा सकता है।
3. प्रतिगामी कर / Regressive tax

उदा: GST (101 वां संविधान संशोधन)
1 जुलाई 2017
असम - पहला राज्य

GST Council - अनु० 279A
- अध्यक्ष - वित्त मंत्री
- 33 सदस्य
  - 2 केन्द्र से
  - 31 (राज्यो से) + केन्द्र शासित प्रदेशो से

→ **सरचार्ज :** कर पे कर

→ **सेस :** एक निश्चित उद्देश्य के लिए, सभी पर लगता

→ **पिगोवियन कर :** किसी भी सामान के लेन-देन पर लगाया जाने वाला कर है, जो नकारात्मक बाहरी कारक का सृजन करता है।

SEBI / सेबी : 12 अप्रैल 1988, माधवी पुरी बुच
HQ - मुम्बई

FRBM Act → 2003

मांग और आपूर्ति :

मांग →
- इच्छा / Eagerness
- औकात / Affordability / सामर्थ्य
- संतुष्टी / Satisfaction - Utility

मांग वक्र / Demand Curve :

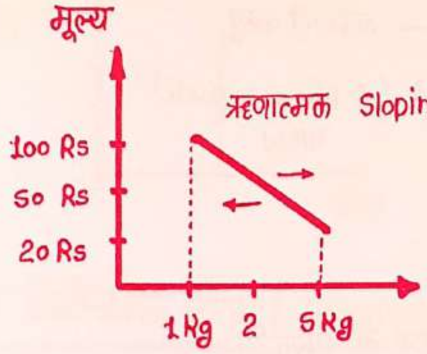

मूल्य } Inverse
मांग }

Rightward → outward →
Leftward → Inward Shift ←

अन्य फैक्टर constant :
वेतन / Income

आपूर्ति वक्र / Supply Curve :

निर्माता की तरफ से / लाभदायक Profitability

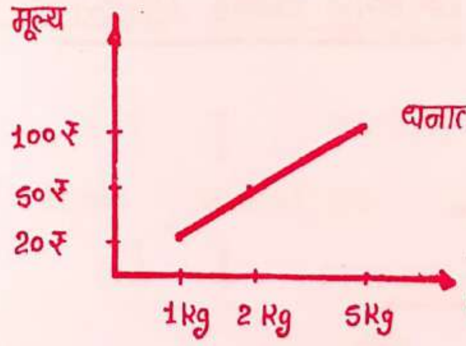

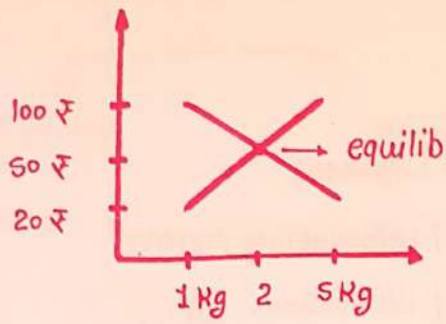

अपवाद:

- गिफेन गुड्स / Giffen goods → गैर लक्जरी → अनाज, नमक ↑
- वेब्लेन गुड्स / Veblen goods → लक्जरी वस्तु
  ↑ (I-phone, audi) BMW

मूल्य लोच / Price Elasticity:

मूल्य मे परिवर्तन → मांग मे परिवर्तन

आमतौर पर ऋणात्मक

$$\text{मूल्य लोच} = - \frac{\text{मांग मे \% परिवर्तन}}{\text{मूल्य मे \% परिवर्तन}}$$

पूर्णतया लोचदार मांग / Perfectly elastic demand:

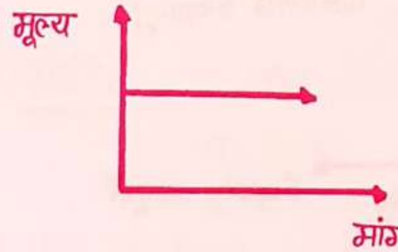

अपेक्षाकृत लोचदार मांग / Relatively elastic demand :

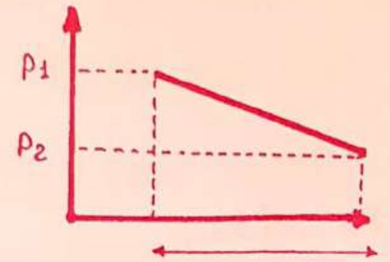

पूर्णतया बेलोचदार मांग / Perfectly Inelastic demand :

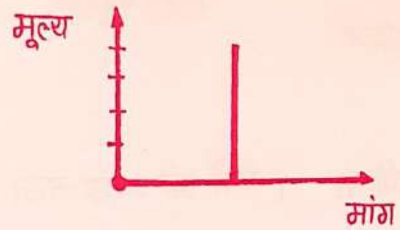

→ Veblen goods

अपेक्षाकृत बेलोचदार मांग / Relatively enelastic demand :

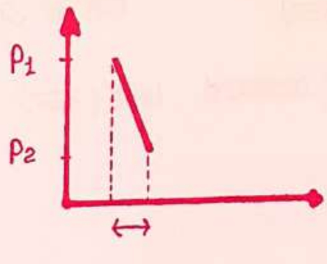

मांग की आय लोच / Income elasticity of demand :

↑ ↑ धनात्मक

आय / Income demand / मांग

↓ ↓ ऋणात्मक

Cross price elasticity:

x — मूल्य ↑ ↓ मांग → y ↑ मांग

धनात्मक

लोगों द्वारा पैसा रखने के तीन उद्देश्य :

- Transaction motive — लेन-देन के उद्देश्य से
- Precautionary motive → Receipt खर्च, भविष्य
- Speculative Motive — सट्टा मकसद

Speculative Motive → जे एम कीन्स (पैसे की सट्टा मांग)

परिसंपत्ति की मांग / Speculative demand for money → पैसे को अपने पास रखना

1. ब्याज दर कम → Speculative demand High (उच्च)
2. ब्याज दर अधिक → Speculative demand less (कम)

बाजार के प्रकार

1. **एकाधिकार :** (Monopoly) केवल एक विक्रेता, Entry Barrier

   उदा० : भारतीय रेलवे

2. **अल्पाधिकार बाजार :** (Oligopoly market) कम संख्या में आपूर्तिकर्ताओं का वर्चस्व, अधिक खरीददार, No easy entry

   उदा० : टेलीकॉम सेक्टर (Jio, Airtel, VI), लैपटॉप

3. एकाधिकार प्रतियोगिता / Monopolistic competition :

- बहुत विक्रेता, बहुत खरीददार उदा: टूथपेस्ट, कपड़े
- समान लेकिन थोड़े अलग उत्पाद

4. पूर्ण प्रतियोगिता / Perfect competition :

- बहुत विक्रेता, बहुत खरीददार
- सजातीय उत्पाद / homogenous product
  उदा० : Agricultural उत्पाद
- free entry / exit

3. एकाधिकार प्रतियोगिता / Monopolistic competition :

- बहुत विक्रेता, बहुत खरीददार — उदा: टूथपेस्ट, कपड़े
- समान लेकिन थोड़े अलग उत्पाद

4. पूर्ण प्रतियोगिता / Perfect competition :

- बहुत विक्रेता, बहुत खरीददार
- सजातीय उत्पाद / homogenous product
  उदा० : Agricultural उत्पाद
- free entry / exit

" मुद्रा स्फ़ीति "

" समय के साथ विभिन्न माल और सेवाओं की कीमतो मे होने वाली एक सामान्य बढ़ोत्तरी "

क्रयशक्ति / purchasing power → कम / घटती

इरविन फिशर : मौद्रिक भ्रम / Money illusion [$mV = PT$]

- मुद्रास्फीति मे किसे लाभ होगा -

ऋणदाता ——→ उधार लेने वाला / Borrower
(10,000) ↑ फायदे मे रहेगा

मुद्रास्फीति के कारण :

Demand pull — मांगजनित
Cost push — लागतजनित

Supply side inflation
आपूर्ति पक्ष मुद्रास्फीति

मुद्रास्फीति का मापन :

1. WPI

→ Wholesale price Index
थोकमूल्य सूचकांक

◎ यह थोक व्यवसायी द्वारा अन्य व्यवसायो को बेची जाने वाली वस्तुओ की कीमतो मे बदलाव को मापता है।
विनिर्मित वस्तुओ को अधिक weightage दिया जाता।

◎ आधार वर्ष - 2011-12

◎ WPI 1st time - 1942

जारी - वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत आर्थिक सलाहकार कार्यालय (DPIIT)
↓
Department for promotion of Industry & Internal Trade

2. CPI

→ Consumer price Index
उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

◎ खाद्य पदार्थों को अधिक weightage

◎ आधार वर्ष - 2011-12

जारी - राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय
MoSPI के अंतर्गत

"मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए RBI, CPI का उपयोग करती है।" ↳ CPI(C)

↓

लेबर ब्यूरो BY: 1986-87
- CPI - Industrial workers
- CPI - Agricultural workers
- CPI - Rural workers

NSO (MoSPI) BY: 2012
- CPI
  - urban
  - Rural
  - Combined

IIP: Index of Industrial Production

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक

आधार वर्ष → 2011-12

प्रकाशित → NSO (MoSPI)

8 मुख्य उद्योग → 40 %

1. रिफाइनरी उत्पाद
2. बिजली उत्पादन
3. इस्पात
4. कोयला
5. प्राकृतिक गैस
6. सीमेंट
7. उर्वरक
8. कच्चा तेल

मुद्रास्फीति के प्रकार :

1. Creeping मुद्रास्फीति → 3-4%
2. Walking मुद्रास्फीति → 4-10%
3. Running मुद्रास्फीति → 10-20%
4. Galloping मुद्रास्फीति → 20-100%
5. Hyper मुद्रास्फीति → 100%

अवस्फीति : Disinflation → महगांई की दर घट रही है/ 10% 8% 7% 5%

अपस्फीति : Deflation → मुद्रास्फीति का विपरीत

→ कीमत के सामान्य स्तर मे गिरावट

क्रय शक्ति मे

फिलिप वक्र : मुद्रास्फीति और बेरोजगारी मे स्थिर और विपरीत संबंध है/

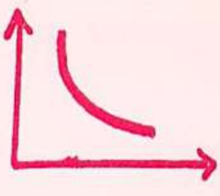

स्फीतिजनित मंदी / Stagflation : मुद्रास्फीति ↑ बेरोजगारी ↑

फिलिप वक्र ×

Great Depression

1930-33

Great Recession

2008-2009

बेरोजगारी के प्रकार :

1. संरचनात्मक बेरोजगारी → कौशल और नौकरी की आवश्यकताओ का बेमेल (शहरी क्षेत्र मे)

शिक्षित बेरोजगारी : डिग्री → बेरोजगार (शहरी क्षेत्र मे)

2. घर्षणात्मक बेरोजगारी → नौकरियों के बीच अस्थायी बेरोजगारी (नये जॉब की तलाश) (शहरी क्षेत्र मे)

3. प्रच्छन्न बेरोजगारी → आवश्यकता से अधिक लोगो को रोजगार दिया जाता (कृषि क्षेत्र मे) (ग्रामीण क्षेत्र मे)

4. चक्रीय बेरोजगारी → आर्थिक उतार - चढाव से संबंधित (~~शरह्ी~~ शहरी)

5. मौसमी बेरोजगारी → मांग मे मौसमी बदलाव के परिणामस्वरुप (ग्रामीण)

MON€¥ $ BANKING

RBI - भारतीय रिजर्व बैंक

हिल्टन यंग कमीशन - 1926

RBI अधिनियम - 1934

↓

1 अप्रैल 1935 स्थापना HQ - कलकत्ता / वर्तमान - मुम्बई } 1937

कार्य: 1. बैंकिंग सिस्टम की देख-रेख

बैंक → लाइसेंस देना

विनियमन / Regulate → बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949

2. करेंसी प्रिंटिंग

(1₹ को छोड़कर → वित्तमंत्रालय)

→ कानूनी निविदा / Legal tender → FIAT Money

3. मौद्रिक नीति

4. आखिरी कर्जदाता / Lender of last Resort

"बैंको का बैंक कहा जाता।"

RBI ACT 1934

- अनुसूचित बैंक
- गैर- अनुसूचित बैंक

वाणिज्य बैंक — Commercial — Profit
सहकारी बैंक — Cooperative — Non-profit

वाणिज्य बैंक:
- सार्वजनिक क्षेत्रीय बैंक
  - 11 राष्ट्रीयकृत बैंक + SBI बैंक = 12 बैंक
- निजी / Private Sector बैंक Bank
  - भारतीय: HDFC, ICICI, KOTAK
  - विदेशी: CITI बैंक, HSBC

वित्तीय समावेशन के लिए, बैंको का राष्ट्रीयकरण- 1969 → 14 बैंक
1980 → 6 बैंक

भारत मे बैंकिंग प्रणाली का इतिहास :

- पहली बैंक - 1770 बैंक ऑफ हिन्दुस्तान

1806 - कलकत्ता बैंक
1840 - बॉम्बे
1843 - मद्रास
} इम्पीरियल बैंक ऑफ इण्डिया 1921 → 1955 → SBI

- पहला भारतीय स्वामित्व बैंक - इलाहाबाद बैंक (1865)

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (RRB) - 1975

1st RRB - प्रथमा ग्रामीण बैंक [2 अक्टूबर 1975]
↳ UP के मुरादाबाद मे

RRB → 50% हिस्सेदारी- केंद्र
→ 15% " राज्य
→ 35% " स्पोंसर बैंक

अन्य वित्तीय संस्थान:

नाबार्ड / NABARD : ◎ राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक
◎ नाबार्ड अधिनियम 1981
◎ 12 अप्रैल 1982 को स्थापित , HQ- मुम्बई

" बी. शिवरमन समिति पर 1979 मे गठन "

कार्य: 1. ग्रामीण क्षेत्रो मे ऋणदाता संस्थाओ को पुनर्वित उपलब्ध कराना।
2. सहकारी बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको का पर्यवेक्षण/ Supervise करता है।

→ PMAY , KCC , RuPay Kisan Card

राष्ट्रीय आवास बैंक: 1988

सेबी : सेबी अधिनियम 1992
12 अप्रैल 1988
HQ - मुम्बई

कार्य : निवेशको के interests की रक्षा

चेयरपर्सन : माधबी पुरी बुच (पहली महिला अध्यक्ष)

IRDAI : IRDAI अधिनियम 1999 , अप्रैल 2000
पॉलिसीधारको के हितो की रक्षा करना
बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण

सूक्ष्म वित्त संस्थायें / micro finance Institutions :

" यह कम आय वाले व्यक्तियो या समूहो को प्रदान की जाने वाली एक बैंकिंग सेवा है जिनके पास अन्यथा वित्तीय सेवाओ तक कोई अन्य पहुंच नहीं होती / "

→ लोन, इंश्योरेंस, बचत

सूक्ष्म वित्त लोन : पात्र व्यक्ति → जिनकी वार्षिक घरेलू आय 3 लाख हो /

→ Collateral free loan
गिरवी मुक्त लोन

सूक्ष्म वित्त संस्था के पिता - मो. युनुस (बांग्लादेश)
↳ ग्रामीण मॉडल बैंक - 1970
नोबेल पुरस्कार प्राप्तकर्ता

बिजनेस मॉडल :

- स्वयं सहायता समूह - 10-20 लोगो का समूह, BPL का समूह
  ↳ Blow poverty line
- संयुक्त देयता समूह 4-10 लोगो का
  ↙ न्यूनतम ↘ अधिकतम
  → उद्देश्य - लाभ

MUDRA : micro units Development & Refinance Agency

1. शिशु लोन : 50 हजार तक ऋण
2. किशोर ऋण : 5 लाख तक
3. तरुण ऋण : 5 - 10 लाख तक

' 2015 मे लांच '

→ गिरवी मुक्त ऋण

NBFC : बजाज फाइनेंस , मुथूट फाइनेंस , महिंद्रा & महिंद्रा

- कंपनी अधिनियम 1956 के तहत पंजीकृत
- ऋण और एडवांस देने का काम
- यह मांग जमा स्वीकार नही कर सकता।
  (Demand Deposits)
- जमा / deposits की गारंटी नही।
- यह RBI के द्वारा Regulate होती।
- CRR, SLR को maintain करने की आवश्यकता नही।

NBFC-MFI :

माइक्रोफाइनेंस लोन की न्यूनतम आवश्यकता - कुल संपत्ति (assets) का 75%.

'मालेगाम समिति की सिफारिश पर गठन'
↓
2010

EXIM Bank : आयात- निर्यात बैंक - अधिनियम 1981
↓
1982
HQ - मुम्बई

SIDBI : 2 अप्रैल 1990
HQ - लखनऊ
Small Industries development Bank of India
वित्तमंत्रालय के अन्तर्गत

IDBI : Industrial development Bank of India
अधिनियम - 1964

BSE : Bombay stock exchange
1875

NSE : National stock exchange
1992

भारतीय बैंकों के मुख्यालय टैगलाइन सीईओ की सूची - भारत में सभी बैंकों की उनकी टैगलाइन और मुख्यालय के साथ सूची

भारतीय बैंकों के नाम	भारत में बैंकों के मुख्यालय - बी और मुख्यालय सूची	भारतीय बैंक टैगलाइन - बैंक के लिए टी एलाइन	भारतीय बैंकों के सीईओ
ऐक्सिस बैंक	मुंबई	बढ़ती का नाम जिंदगी	श्री अमिताभ चौधरी
इलाहबाद बैंक	कोलकाता	भरोसे की परंपरा/ हर कदम आपके साथ	श्री एसएस मल्लिकार्जुन राव
बैंक ऑफ इंडिया	मुंबई	बैंक ऑफ इंडिया की टैगलाइन - बैंकिंग से परे संबंध	रजनीश कर्नाटक (एमडी और सीईओ)
बैंक ऑफ बड़ौदा	वडोदरा	बैंक ऑफ बड़ौदा की टैगलाइन - भारत का अंतर्राष्ट्रीय बैंक	देबदत्त चंद (एमडी और सीईओ) डॉ. हसमुख अधिया (गैर-कार्यकारी अध्यक्ष)
बैंक ऑफ महाराष्ट्र	पुणे	एक परिवार एक बैंक/एक परिवार एक बैंक	श्री एएस राजीव
बंधन बैंक	कोलकाता	आपका भला, सबकी भलाई	श्री चन्द्र शेखर घोष
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया	मुंबई	1911 से आपके लिए केन्द्रीय	श्री एमवी राव (एमडी एवं सीईओ)
केनरा बैंक	बैंगलोर	एक साथ हम कर सकते हैं	के सत्यनारायण राजू (एमडी और सीईओ) श्री विजय श्रीरंगन (गैर-कार्यकारी अध्यक्ष)
सिटी यूनियन बैंक	तमिलनाडु	1904 से विश्वास और उत्कृष्टता	श्री. एम. नारायणन (गैर-कार्यकारी अध्यक्ष) डॉ. एन कामकोटि (एमडी एवं सीईओ)
कैथोलिक सीरियन बैंक	त्रिशूर, केरल	हर तरह से समर्थन करें	सुश्री भामा कृष्णमूर्ति (अंशकालिक अध्यक्ष) श्री प्रलय मंडल (एमडी)
धनलक्ष्मी बैंक	त्रिशूर, केरल	1927 में स्थापित	श्री शिवन जेके (एमडी और सीईओ)
टिकास क्रेडिट बैंक	तमिलनाडु	-	रूपा देवी सिंह (अध्यक्ष) श्री मुरली राम नटराजन (एमडी और सीईओ)
फेडरल बैंक	केरल	आपका आदर्श बैंकिंग भागीदार	श्री श्याम श्रीनिवासन (एमडी और सीईओ) एपी होता (अंशकालिक अध्यक्ष एवं स्वतंत्र निदेशक)
एचएसबीसी	लंदन	हम साथ मिलकर आगे बढ़ें पुराना - विश्व का स्थानीय बैंक	नोएल क्विन (समूह मुख्य कार्यकारी) हितेंद्र दवे (एचएसबीसी इंडिया के सीईओ)
एचडीएफसी बैंक	मुंबई	हम आपकी दुनिया को समझते हैं	शशिधर जगदीशन (सीईओ) श्री अतनु चक्रवर्ती, (अध्यक्ष)
आईसीआईसीआई बैंक	मुंबई	आईसीआईसीआई बैंक की टैगलाइन - ख्याल आपका	श्री गिरीश चंद्र चतुर्वेदी (गैर-कार्यकारी अंशकालिक अध्यक्ष) श्री संदीप बख्शी (एमडी और सीईओ)

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक	मुंबई	हमेशा आप पहले	श्री वी. वैद्यनाथन (एमडी एवं सीईओ)
आईडीबीआई बैंक	मुंबई	सभी के लिए बैंकिंग आओ सोचें बड़ा बैंक ऐसा दोस्त जैसा	श्री टीएन मनोहरन (स्वतंत्र निदेशक और अंशकालिक अध्यक्ष) श्री राकेश शर्मा (सीईओ एवं एमडी)
इंडसइंड बैंक	महाराष्ट्र	वी केयर दिल से, वी मेक यू फील रिचर	सुमंत कठपालिया (सीईओ) श्री सुनील मेहता (अध्यक्ष)
इंडियन बैंक	चेन्नई	इंडियन बैंक टैग लाइन - आपका अपना बैंक/अपना अपना बैंक	श्री शांति लाल जैन (एमडी एवं सीईओ)
इंडियन ओवरसीज बैंक	चेन्नई	अच्छे लोगों के साथ आगे बढ़ें	श्री अजय कुमार श्रीवास्तव (एमडी एवं सीईओ)
जम्मू एवं कश्मीर बैंक	श्री नगर	सशक्त बनाने की सेवा	श्री। बलदेव प्रकाश (एमडी एवं सीईओ)
करूर वैश्य बैंक	करूर, तमिलनाडु	बैंक के लिए स्मार्ट तरीका	डॉ. मीना हेमचंद्र गैर-कार्यकारी स्वतंत्र (अंशकालिक) अध्यक्ष श्री बी. रमेश बाबू (एमडी एवं सीईओ)
कोटक महिंद्रा बैंक	मुंबई, महाराष्ट्र	आइए पैसा बनाना आसान बनाएं अब कोना कोना कोटक	उदय कोटक (एमडी एवं सीईओ)
कर्नाटक बैंक	मंगलुरु, कर्नाटक	पूरे भारत में आपका पारिवारिक बैंक	श्री पी प्रदीप कुमार (अंशकालिक अध्यक्ष स्वतंत्र निदेशक) श्री महाबलेश्वर एमएस (एमडी और सीईओ)
लक्ष्मी विलास बैंक अब डीबीएस बैंक है	सिंगापुर	अधिक जियो, बैंक कम	रवीन्द्र बहल (स्वतंत्र निदेशक, अंशकालिक अध्यक्ष) सुरोजीत शोम (एमडी और सीईओ)
पंजाब नेशनल बैंक	नई दिल्ली	पंजाब नेशनल बैंक की टैगलाइन - वह नाम जिस पर आप बैंक कर सकते हैं	अतुल कुमार गोयल (एमडी और सीईओ) श्री के जी अनंतकृष्णन (गैर-कार्यकारी अध्यक्ष)
पंजाब एंड सिंध बैंक	नई दिल्ली	जहां सेवा जीवन का एक तरीका है	चरण सिंह (गैर-कार्यकारी अध्यक्ष) स्वरूप कुमार साहा (एमडी और सीईओ)
रत्नाकर बैंक (अब आरबीएल बैंक)	मुंबई	अपनों का बैंक	श्री प्रकाश चंद्रा (गैर कार्यकारी अध्यक्ष) आर सुब्रमण्यकुमार (एमडी और सीईओ)
भारतीय स्टेट बैंक	मुंबई	एसबीआई टैग लाइन 1) आम आदमी का बैंक 2) शुद्ध बैंकिंग और कुछ नहीं 3) हर भारतीय के लिए बैंकर 4) राष्ट्र हम पर निर्भर है 5) हर तरह से आपके साथ 6) आप हमेशा हम पर निर्भर रह सकते हैं	श्री दिनेश कुमार खारा, (अध्यक्ष) तीन एमडी: • श्री सीएस शेट्टी • श्री अश्विनी कुमार तिवारी • श्री आलोक कुमार चौधरी
साउथ इंडियन बैंक	त्रिशूर, केरल	अगली पीढ़ी की बैंकिंग का अनुभव करें	श्री. सलीम गंगाधरन अंशकालिक अध्यक्ष (स्वतंत्र निदेशक) श्री मुरली रामकृष्णन (एमडी और सीईओ)
यूको बैंक	कोलकाता	आपके भरोसे का सम्मान करता हूं	सोमा शंकर प्रसाद (एमडी और सीईओ)
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	मुंबई	बैंक के लिए अच्छे लोग	श्री श्रीनिवासन वरदराजन (अंशकालिक गैर-आधिकारिक निदेशक और गैर-कार्यकारी अध्यक्ष) सुश्री ए मणिमेखलाई (एमडी एवं सीईओ)

मौद्रिक नीति :

NDTL : Net demand & Time liability
मांग और समय देनदारियां

Demand Liability
- → Saving बचत खाता
- → Current चालू खाता

Time Liability
- → Fixed deposite सावधि जमा खाता
- → Recurring dep. आवर्ती जमा खाता

Different Assets and Liabilities of a Commercial Bank

BALANCE SHEET

	LIABILITIES	AMT	ASSETS	AMT	
Initial Money Invested ←	Share Capital		Vault Cash		→ *Cash kept in Bank for Withdrawal by customers*
Sometimes bank borrows money from RBI ←	Loan taken from Central Bank if any		Deposits with Central Bank		→ *Amount deposited by Bank with RBI*
Saving Account, Current Account ←	Demand Deposits		Loans		→ *Loan Given to Public*
Fixed Deposits/ Recurring Deposits ←	Term Deposits		Investment in Government Securities		→ *Amt invested in Government Bonks*
	Total		Total		

मौद्रिक नीति :

CRR : Cash Reserve Ratio

नकद आरक्षित अनुपात

No profit IR

↳ RBI के पास रखा जाता है जो एक वाणिज्यिक बैंक की कुल जमा राशि के प्रतिशत को संदर्भित करता है।

SLR : Statutory Liquid Ratio

वैधानिक तरलता अनुपात

वाणिज्यिक बैंकों द्वारा स्वयं बनाए रखा जाता है।

नकद, सोना, G.sec (Government Security)

IR मिलता है। (Interest Rate)

Liquidity: {तरलता} बैंकिंग प्रणाली मे अधिक तरलता आसानी से उपलब्ध नकदी को संदर्भित करती है। जिससे बैंक अल्पकालिक व्यापार और वित्तीय ज़रूरतों को पूरा करता है।

1. Cash — अधिक तरल / Most Liquid
2. Gold chain
3. Property — कम तरल / Least Liquid

मुद्रास्फीति / अपस्फीति ⟶ RBI ⟶ मुद्रा आपूर्ति को नियन्त्रित
↓
मौद्रिक नीति उपकरण / घटक

उपकरण / घटक
- अनुपात
- दर

अनुपात ↓

↑ CRR - नकद आरक्षित अनुपात
SLR - वैधानिक तरलता अनुपात

↑ → हॉकिश मौद्रिक नीति → उच्च ब्याज दरों को बनाये रखना (मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए)
(Tight/deal)

मौद्रिक नीति समिति: उर्जित पटेल की सिफारिश पर

6 सदस्य
- 3 RBI
- 3- सरकार द्वारा

3 RBI:
- गवर्नर
- डिप्टी गवर्नर
- कार्यकारी अधिकारी

CRR / SLR ↓ — डोविश मौद्रिक नीति → जब ब्याज दरों मे कटौती की जाती है।
(Easy)

दर/ Rates : **(मात्रात्मक उपकरण)**

1. **बैंक दर :** बैंक ⟶ RBI — कोई गिरवी नही
6.75%
लोन लेने ⟶ लम्बे समय के लिए

2. **रेपो दर:** बैंक ⟶ RBI
लोन ⟶ कम समय के लिए, गिरवी युक्त
└ Overnight loan

6.5%

3. **रिवर्स रेपो दर:**

'RRR'

RBI ⟶ बैंक

4. **सीमांत स्थायी सुविधा:** marginal standing facility:

- आपातकालीन स्थिति मे RBI से उधार लेना
- 6.75%

5. **खुला बाजार संचालन / Open Market Operation:**

- मुद्रा आपूर्ति और ब्याज दरों को नियंत्रित करने के लिए, फैडरल रिजर्व सरकारी प्रतिभूतियों को खरीदना और बेचना।

मुद्रास्फीति → सरकारी प्रतिभूतियो को बेचना

मौद्रिक नीति के गुणात्मक उपकरण:

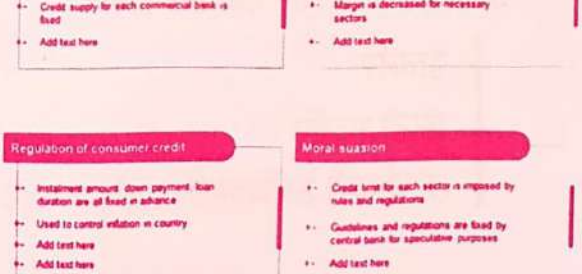

1. ऋण की राशनिंग
2. उपभोक्ता ऋण का विनियमन
3. सीमांत आवश्यकता मे परिवर्तन
4. नैतिक उत्तेजना

- RBI के प्रथम गवर्नर- सर ओसबोर्न आरकेल स्मिथ
- " " प्रथम भारतीय गवर्नर- सी.डी. देशमुख
- भारत का पहला विकास बैंक- भारतीय औद्योगिक वित्त निगम
→ 1 जुलाई 1948

मौद्रिक समुच्चय / Monetary aggregates

मौद्रिक समुच्चय का उपयोग राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था मे मुद्रा आपूर्ति को मापने के लिए किया जाता है।

M_0 [आरक्षित धन]
उच्चशक्ति प्राप्त धन
आधार धन
→ 1. वह मुद्रा जो परिचालित की जा रही है।
2. RBI के पास बैंकरों की जमा
3. RBI के पास अन्य जमाएँ

M_1 : नैरो मनी { Narrow money }
→ 1. वह मुद्रा जो जनता की है।
2. बैंकिंग प्रणाली मे मांग जमा / मांगजनित
3. RBI के पास अन्य जमा।

M_2 : Narrow मनी → 1. M_1 + डाकघर के साथ बचत जमा

M_3 : } ब्रॉड मनी → 1. M_1 + बैंक के साथ सावधि जमा (Time deposit)

M_4 : → 1. M_3 + डाकघर मे पूरा जमा

मुद्रा गुणक / Money Multiplier:

$$\text{मुद्रा गुणक} = \frac{1}{\text{आरक्षित निधि अनुपात}} = \frac{\text{प्रचलन मे मुद्रा}}{\text{रिजर्व मुद्रा}}$$

" प्रत्येक राशि के भंडार के संयोजन मे बैंक जो राशि उत्पन्न करता है, उसे धन गुणक कहा जाता है। "

तरलता के आधार पर : $M_1 > M_2 > M_3 > M_4$

धन के संचालन का वेग / Velocity of circulation of money:

यह अवधारणा किसी समयावधि के दौरान धन के आदान-प्रदान की गति को दर्शाती है।

धन का मात्रा सिद्धांत: Quantity theory of money:

इरविंग फिशर

"पैसे का मात्रा सिद्धांत कहता है कि कीमतों का स्तर सीधे पैसे की मात्रा के साथ बदलता रहता है।"

पैसे की मात्रा को दोगुना करें, और अन्य चीजे समान हो, कीमते पहले की तुलना मे दोगुनी होगी, और पैसे का मूल्य एक-आधा होगा/

$M \times V = P \times T$

- M – मनी सप्लाई
- V – Velocity of circulation
- P – धन मूल्यस्तर
- T – सभी लेनदेन

QUANTITY THEORY OF MONEY

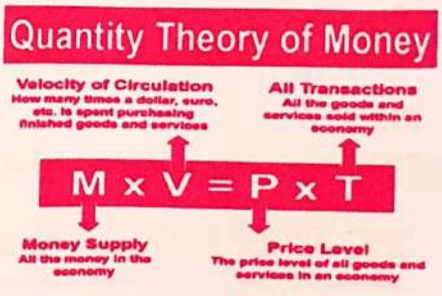

बेसल मानदंड / Basel Norms:

↓

स्वीट्जरलैण्ड

अंतर्राष्ट्रीय निपटान बैंक का HQ - BASEL
1930

बेसल समिति - 1974, G10

1. **बेसल 1 :** 1988
   क्रेडिट जोखिम

   ◦ न्यूनतम पूंजी आवश्यकता जोखिम-भारित परिसंपत्तियो के 8% के रुप मे निर्धारित (Risk-weighted assets)(RWA)

   ↳ पूंजी पर्याप्तता अनुपात (Capital adequacy Ratio) (CAR)

MBFC- MFI ⟶ CAR → 15% of RWA

2. **बेसल 2** : 2004

3. **बेसल 3** : 2008 ⟶ 12.9%

Tier 1 }
Tier 2 } Capital → बेसल मानदंड

- यदि सीमांत उपभोग प्रवृत्ति को C से दर्शाया जाता है तो सरकारी व्यय गुणक को किस रूप मे व्यक्त किया जा सकता है- $\frac{1}{1-c}$

MISCELLANEOUS

LAF : Liquidity Adjustment facility
तरलता समायोजन सुविधा
↳ Reverse रेपो

लिक्विडिटी ट्रैप : लिक्विडिटी ट्रैप एक विरोधाभासी आर्थिक स्थिति है जिसमे
(तरलता जाल) ब्याज दरे निम्न रहती है और बचत दरें ऊची रहती हैं,
जिसमे मौद्रिक नीति अप्रभावी हो जाती है।

No spending (खर्चनही)

मुद्रा बाजार : कम समय के लिए ऋण

पूंजी बाजार : लम्बे समय के लिए लोन

कॉल मनी - एक ही दिन मे लौटाना

नोटिस मनी - 2 से 14 दिन मे लौटाना

दर / Rate : इंटर-बैंक धन का निगमन
Interbank money transfer

LIBOR - Landon Interbank offer Rate

MIBOR - Mumbai " " "

31 दिसम्बर 2021 →

SOFR - Secured overnight financial Rate

ट्रेजरी बिल : Maturity Period - 1 साल से कम

- 91 दिन
- 182 दिन
- 364 दिन

- हमेशा छूट की दर / discount rate पर listed होता
- कोई ब्याज दर नही होती।
- RBI द्वारा जारी किये जाते है।

नॉन परफॉर्मिंग एसेट : NPA - गैर- निष्पादित संपत्ति

एसेट

- Regular assets
  नियमित एसेट
- Stressed assets
  तनावग्रस्त परिसंपत्तियाँ
- NPA → 90 दिन से ज्यादा देरी
  - सबस्टैंडर्ड एसेट
  - डाउटफुल एसेट
  - लॉस एसेट

बैड बैंक / Bad Banks : NPA की Recovery

बैड बैंक का उद्देश्य बैंको को उनकी बैलेंसशीट से बैड लोन को समाप्त कर बोझ को कम करना है और उन्हे बिना किसी बाधा के ग्राहको को फिरसे उधार देना है।

2 बैडबैंक
- National Asset Reconstruction company Ltd. (NARCL)
- India debt Resolution company Ltd. (IDRCL)

SARFAECI : सरफेसी अधिनियम 2002

ऐसा कानून जो भारतीय बैंकों/ वित्तीय संस्थाओं को अदालतों के हस्तक्षेप के बिना क्रेडिट डिफॉल्टरो की संपत्ति / प्रॉपर्टीज को बेचने या नीलाम करने की अनुमति देता है।

Securitisation & Reconstruction of Financial assets & enforcement of Security interest act 2002.

विलफुल डिफॉल्टर : किसी व्यक्ति द्वारा बैंक से लिये गए कर्ज की राशि (Willful defaulter) को जानबूझकर बैंक को वापिस न करना।

Insolvancy & Bankruptcy code

दिवाला एवं दिवालियापन संहिता (IBC) - 2016

इसका उद्देश्य कॉर्पोरेट व्यक्तियों, साझेदारी फर्मों & व्यक्तियों के दिवालिया होने और दिवालियापन को प्रभावी ढंग से समयबद्ध तरीके से निपटाना है।

गरीबी / Poverty

1. सापेक्ष गरीबी - जीवन स्तर के न्यूनतम मानक का अभाव
2. निरपेक्ष गरीबी - व्यक्ति के पास भोजन, वस्त्र & आश्रय जैसी जीवन की आवश्यकताओं का अभाव।

गरीबी का आकलन :

1. **स्वतंत्रता से पूर्व :** दादा भाई नौरोजी - Poverty & unbritish rule in India

↓

सबसे पहले गरीबी का आकलन किया

राष्ट्रीय योजना समिति | National Planning Committee : 1938

→ S.C. बोस

बॉम्बे प्लान : 1944 • उद्योगपतियो का एक समूह

↳ इस समूह ने देश मे नियोजित अर्थव्यवस्था चलाने का एक संयुक्त प्रस्ताव तैयार किया|

₹ 75 प्रति व्यक्ति आय | वर्ष

आजादी के बाद :

1. दांडेकर एवं रथ समिति : 1971 , 'गरीबी का प्रारंभिक व्यवस्थित मूल्यांकन'

NSSO के डाटा के आधारपर 'खर्च के आधार पर गरीबी रेखा'

2. अलघ समिति : 1979 'पोषण के आधार पर गरीबी रेखा'

3. लकड़ावाला समिति : 1993 'CPI-IW & CPI-AL के आधार पर गरीबी रेखा

CPI-IW ↓ उपभोक्ता मूल्य सूचकांक - औद्योगिक श्रमिको

CPI-AL ↳ CPI - कृषि मजदूरो

" राज्यो के अनुसार गरीबी रेखा | Statewise PL "

4. सुरेश तेंदुलकर समिति : 2009 स्वास्थ्य & शिक्षा को भी मूलभूत आवश्यकताओ मे लेना|

' PPP → 33 ₹ प्रति दिन '

गरीबी मानक [ग्रामीण - 816 ₹ प्रति महिना; शहरी - 1000 ₹ | महिना

गरीबी रेखा से नीचे व्यक्तियो का प्रतिशत - 21.9% (2011-12) { शहरी - 13.7%; ग्रामीण - 25.7%

→ गरीबी अनुपात : 29.5% { शहरी - 26.4%; ग्रामीण - 30.9%

शीर्षगणना अनुपात / Headcount Ratio : गरीबी रेखा से नीचे की जनसंख्या के समानुपाती

5. **रंगराजन समिति :** 2014

- पोषण संबंधी आवश्यकताओ के भीतर श्रेणियां
  Categories - कैलोरी, प्रोटीन, वसा

संशोधित मिश्रित संदर्भ अवधि की बात कही/
(modified mixed reference period)

भुगतान संतुलन / Balance of Payment :

देश के वित्तीय लेनदेन का रिकॉर्ड
[आयात & निर्यात]

- चालू खाता
  - सामान / goods
  - सेवायें
  - ट्रांसफर पेमेंट्स
  - प्रेषण / Remittances → भारत पहले स्थान पर
- पूंजी खाता
  1. निवेश / Investment
     - FDI — लम्बे समय के लिए निवेश
     - FII / FPI → HOT Money — कम समय के लिए निवेश
  2. एसेट्स का क्रय / विक्रय
  3. Borrowings landings

CAD : Current account deficit (चालू खाता घाटा)

आयात का मूल्य > निर्यात का मूल्य

= 3.3% GDP का

Twin Deficit / जुड़वा घाटा : जब अर्थव्यवस्था मे राजकोषीय घाटा और चालू खाता दोनो होते है/

{CAD + FD}

विदेशी मुद्रा भंडार / Forex Reserves :

1. विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति / Foreign Currency Assets
2. स्वर्ण भंडार | Gold Reserves
3. विशेष आहरण अधिकार / special drawing Rights (SDR)
   - USD
   - Euro
   - Yen – जापानी मुद्रा
   - Yuan – चीन
   - Pound – ब्रिटेन
4. आरक्षित किश्त स्थिति (Reserve tranche position)
   ↓
   IMF (अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष) के सदस्य देश के कोटा का एक खंड है।

1991 - भुगतान संतुलन संकट (भारत मे)
(Balance of payment crisis) (PM - PV नरसिम्हाराव)
(वित्तमंत्री - मनमोहन सिंह)

LPG Reforms
- Liberalisation – उदारीकरण
- Privatisation – निजीकरण
- Globalisation – वैश्वीकरण

◎ IMF मे ऋणी / Debtors : 1^{st} - अर्जेंटीना
4^{th} - पाकिस्तान

IMF : अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
HQ - वाशिंगटन DC

संयुक्त राष्ट्र मौद्रिक और वित्तीय सम्मेलन - ब्रेटन वुड्स सम्मेलन
↓
44 देशो से 730 प्रतिनिधि
- IMF
- विश्व बैंक – HQ - वाशिंगटन DC

NOSTRO खाता : Our account in your Bank.
" आपकी पुस्तकों पर हमारा खाता है जो हमारे लिए विदेशी मुद्रा है। "

VOSTRO खाता : Your account in our bank.
" हमारी पुस्तकों पर आपका खाता है जो घरेलू मुद्रा में है। "

FERA : Foreign exchange Regulation Act - 1973

FEMA : Foreign exchange Management Act - 1999

- **Depreciation/ मूल्यह्रास :** घरेलू मुद्रा के मूल्य में कमी/
- **Appreciation :** घरेलू मुद्रा के मूल्य में वृद्धि /
- **Devaluation | अवमूल्यन :** आधिकारिक मूल्यह्रास / official depreciation
- **Revaluation :** official appreciation

→ निर्यातक को मूल्यह्रास के case में फायदा होगा/

लॉरेंज वक्र : धन के वितरण के बारे में बताता
'आय की असमानता के बारे में'

गिनी गुणांक : 0-1
0 - Perfect समानता
1 - " असमानता

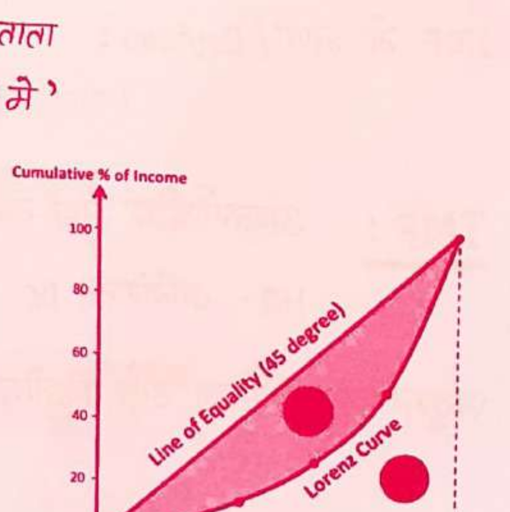

भारत में पंचवर्षीय योजना

पंचवर्षीय योजना :

स्वतंत्रता से पहले - 1947

"USSR से लिया गया"

└ 1928, जोसेफ स्टालिन

योजना आयोग - अध्यक्ष- प्रधानमंत्री

पहली पंचवर्षीय योजना : 1 अप्रैल 1951 - 1956 (pm - नेहरू)

- कृषि पर विशेष ध्यान
- बांधों की स्थापना - 1. भाखड़ा नागल बांध, 2. हीराकुण्ड बांध
- हेराल्ड डोमर मॉडल पर आधारित

{ टारगेट - 2.1 %, प्राप्त - 3.6 % } 'सफल'

द्वितीय पंचवर्षीय योजना : 1956 - 1961 (pm - नेहरू)

- भारी उद्योगों की स्थापना पर जोर, IPR - 1956 (2nd) औद्योगिक नीति
- तीव्र औद्योगीकरण

{ राउरकेला : उड़ीसा (जर्मनी)
दुर्गापुर : पश्चिम बंगाल (UK)
भिलाई : छत्तीसगढ़ (USSR) }

{ लक्ष्य : 4.5 %
प्राप्त : 4.3 % }

- पी.सी. महालनोबिस मॉडल पर आधारित
  ↓
  29 जून - सांख्यिकी दिवस

तीसरी पंचवर्षीय योजना : 1961 - 1966 (नेहरू - pm)

- भारतीय अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर व स्वतः स्फूर्त बनाना था / spontaneous

- भारत-चीन युद्ध - 1962
- भारत - पाक युद्ध - 1965
- हरित क्रान्ति लायी गई।

* PL-480
अनाज आयात (USA से)

उद्देश्य : 5.6 %
प्राप्ति : 2.8 %
'असफलता'

- भारतीय खाद्य निगम (FCI) - 14 जनवरी 1965
- CACP - 1 जनवरी 1965
- IDBI - 1 जुलाई 1965
- UTI - 1963

योजना अवकाश :

3 साल "वार्षिक योजना"
1966-1969 (नयी कृषि योजना)

चतुर्थ पंचवर्षीय योजना : 1969-1974 (PM - इंदिरा गांधी)

- उद्देश्य- स्थिरता के साथ आर्थिक विकास, आत्मनिर्भरता की अधिकाधिक प्राप्ति
- परिवार योजना / Family planning
- 14 बैंकों का राष्ट्रीयकरण

भारत-पाक युद्ध - 1971

- पहला परमाणु परीक्षण- स्माइलिंग बुद्धा
- रूद्र स्टलन मॉडल या गॉडगिल सूत्र पर आधारित

लक्ष्य : 5.7 %
प्राप्ति : 3.3 %
बड़ी असफलता

पांचवी पंचवर्षीय योजना : 1974-1978 (PM- इंदिरा गांधी)

- डी.पी. धर मॉडल पर आधारित

→ गरीबी उन्मूलन (इंदिरा गांधी)
के साथ आत्मनिर्भरता

- न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम (1974)
- 20 सूत्री कार्यक्रम (1975)
- क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना (1975, अक्टूबर 2)

{ लक्ष्य - 4.4 %
{ प्राप्ति - 4.8 %

अनवरत योजना • 1978-80 (pm- मोरारजी देसाई - जनता सरकार)

- रोजगार पर विशेष ध्यान { प्रतिपादन - गुन्नार मिर्डल
  लागू करने का श्रेय - डी.टी. लकड़ावाला

छठी पंचवर्षीय योजना : 1980-1985 (pm - इंदिरा गांधी)

- गरीबी निवारण तथा रोजगार सृजन पर बल दिया गया।
- आर्थिक विकास
- प्रौद्योगिकी का आधुनीकरण

{ लक्ष्य - 5.2 %
{ प्राप्ति - 5.7 %

- नाबार्ड की स्थापना - 1982
- भूमिहीन मजदूर, गारंटी योजना
  रोजगार

सातवी पंचवर्षीय योजना : 1985-1990 (pm - राजीव गांधी)

लक्ष्य : खाद्यान्न उत्पादन मे वृद्धि, उत्पादकता व रोजगार अवसरो मे वृद्धि पर विशेष ध्यान।

'जवाहर रोजगार योजना'

{ लक्ष्य : 5 %
{ प्राप्ति : 6 % अधिक सफलता

- Hindu Rate of growth → 1978
  हिन्दू वृद्धि दर
  └→ प्रो. राज कृष्णा
  1960 - 1980 → धीमी आर्थिक वृद्धि

वार्षिक योजना : 1990-1992

- 1991 - भुगतान संतुलन संकट / Balance of Payment Crisis
  - └→ IMF

1991 }
1992 }
- L - Liberalise / उदारीकरण
- P - निजीकरण / Privatisation
- G - वैश्वीकरण / Globalisation

आठवी पंचवर्षीय योजना : 1992- 1997

(pm - PV नरसिम्हा राव)

- नई सांकेतिक नीति
- आर्थिक और राजकोषीय सुधार
- सार्वजनिक क्षेत्र के हिस्से मे पतन
- लाइसेंस राज खतम

{ लक्ष्य : 5.6 %
{ प्राप्ति : 6.8 %

अधिकतम सफलता

नौवीं पंचवर्षीय योजना : 1997-2002 (pm - अटल बिहारी वाजपेयी)

- सामाजिक न्याय और समानता के साथ विकास पर जोर

{ लक्ष्य : 6.5 %
{ प्राप्ति : 5.4 %

दसवीं पंचवर्षीय योजना : (2002- 2007) (pm - अटल + मनमोहन जी)

{ लक्ष्य : 8 %
{ प्राप्ति : 7.6 %

'राष्ट्रीय बागवानी मिशन'

ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना : 2007- 2012 (pm - मनमोहन सिंह)

- तीव्रतम गति और समावेशी ढंग से निरंतर विकास पर जोर

{ लक्ष्य - 9 %
{ प्राप्ति - 8 %

बारहवीं पंचवर्षीय योजना : 2012-2017 (PM- मनमोहन सिंह)

→ तीव्र, अधिक समावेशी धारणीय विकास
Faster, inclusive & Sustainable growth

योजना आयोग → नीति आयोग → थिंक टैंक
1 जनवरी 2015

'औद्योगिक नीति संकल्प'
(Industrial Policy Resolution)

पहली औद्योगिक नीति - 1948 (डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी)
↳ सरकार का एकाधिकार { परमाणु ऊर्जा, रेलवे }
→ लाइसेंस राज शुरुआत

दूसरी औद्योगिक नीति - 1956
- ◉ भारत के आर्थिक संविधान के रूप मे जाना जाता।
- ◉ औद्योगिक विविधीकरण किया

सूची A - सरकारी क्षेत्र (17)
सूची B - सरकारी + निजी सैक्टर (12)
सूची C - केवल निजी सैक्टर

औद्योगिक नीति संकल्प 1977 : ◉ 1956 की नीति का विस्तार
◉ विकेन्द्रीकरण पर मुख्य ध्यान
- ◉ लघु उद्योगो को प्राथमिकता दी।
- ◉ बहुराष्ट्रीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाएं।

IPR 1980 : FERA, 1973
MRTP - Monopoly Restrictive Trade Practice

1991- नई औद्योगिक नीति { L -Liberalisation/ उदारीकरण
P -Privatisation/निजीकरण
G -Globalisation/वैश्वीकरण

- FDI ceiling मे बढ़ोत्तरी
- सार्वजनिक क्षेत्रों मे विनिवेश / Disinvestment
- लाइसेंस राज खत्म